University in News on 21 January 2025

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू में पीएचडी के तीन विषयों का परिणाम जारी

- 25 जनवरी तक जमा कर सकेंगे फीस
- विवि की वेबसाइट पर मेरिट सूची अपलोड

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के तहत तीन विषयों के साक्षात्कार के बाद परिणाम जारी कर दिया गया है। चयनित अभ्यर्थियों के लिए फीस पोर्टल बुधवार को खुल जाएगा। जिससे वह फीस जमा कर सकेंगे। एलयू की वेबसाइट पर पूरी मेरिट सूची भी जारी कर दी गई है। जिसमें सभी अभ्यर्थी श्रेणीवार रैंकिंग भी देख सकते हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रवेश समन्वयक डॉ. अनित्य गौरव ने बताया कि रक्षा अध्ययन, कंप्यूटर साइंस, सांख्यिकी विषय का परिणाम घोषित किया है। उपलब्ध सीटों के सापेक्ष सीट अलॉटमेंट और कट ऑफ जारी किया है। डॉ. अनित्य के अनुसार, फीस जमा करने की अंतिम तिथि 25 जनवरी है।

एलयू छात्रों ने राजभवन में दिखाई प्रतिभा

लखनऊ। राजभवन में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं राष्ट्रीय एकता विषय पर 34 राज्य विश्वविद्यालयों व संस्थानों के विजेताओं के बीच प्रतियोगिता के अंतिम चरण का आयोजन हुआ। गांधी व अन्नपूर्णा सभागार में समूह छह से भाषण प्रतियोगिता में एलयू से एलएलबी छात्रा उर्वशी सिंह, बीए की निशा राठौर ने प्रतिभाग किया। जबकि एक पात्रीय नाटक की प्रतियोगिता भी हुई।

i-NEXT PAGE 5

छात्रों की दिखी रचनात्मकता

LUCKNOW (21 Jan): राजभवन के गांधी और अन्नपूर्णा सभागार में 'लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल और राष्ट्रीय एकता' विषय पर प्रतियोगिता का फाइनल हुआ. इसमें 34 विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के विजेताओं ने भाग लिया. भाषण प्रतियोगिता में समूह छह के प्रतिभागियों में लखनऊ विश्वविद्यालय की एलएलबी पाठ्यक्रम की छात्रा उर्वशी सिंह, लवि से सम्बद्ध कालेज की छात्रा निशा राठौर और ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि से एलएलम के छात्र अमन कुमार त्रिपाठी ने हिस्सा लिया. एक पात्र नाटक में एमए के छात्र विशाल राज मिश्रा, एलयू से बीए के छात्र अंकित कुमार यादव और केजीएमयू से डीएलटी की चंदा शुक्ला ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. निबंध लेखन प्रतियोगिता में लवि से एलएलबी के छात्र सुमित सिंह ने भाग लिया. प्रतियोगिता के दूसरे चरण का आयोजन एलयू में हुआ था. कार्यक्रम का संचालन राज यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा और कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में किया गया. विवि की ओर से अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा और सहायक अधिष्ठाता डा. आनंद पांडेय उपस्थित रहे.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

पीएचडी के तीन और विषयों में सीटें आवंटित

25 जनवरी तक जमा करनी होगी फीस, वेबसाइट पर देखें कटऑफ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी में प्रवेश के क्रम में मंगलवार को डिफेंस स्टडीज, कंप्यूटर साइंस व स्टैटिक्स विषयों में चयनितों को सीट आवंटित कर दी है। विद्यार्थी लखनऊ विवि की वेबसाइट पर मेरिट सूची व कटऑफ देख सकते हैं। लॉगिन आईडी का प्रयोग कर 25 जनवरी तक उन्हें फीस जमा करनी होगी। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पीएचडी में प्रवेश के लिए 7 व 8 दिसंबर को रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट (आरईटी) कराया गया था। इससे पहले फ्रेंच, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पर्शियन, फिजिक्स, पब्लिक पॉलिसी एवं गवर्नेंस, संस्कृत, उर्दू व वेस्टर्न हिस्ट्री के लिए भी सीटें आवंटित की जा चुकी है। (संवाद)

PIONEER PAGE 3

लोहिया के विचार आज भी व्यावहारिक दृष्टि से प्रासंगिक

● लविवि में 'लोहिया के सपनों का भारत' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अंतर्गत मंगलवार को डॉ राम मनोहर लोहिया शोधपीठ द्वारा लोहिया के सपनों का भारत विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, राधा कमल मुखर्जी सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोहिया जी के विचारों व आदर्शों तथा उनके सपनों का भारत की अवधारणा को वर्तमान समय में सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में फिर से समझना। लोहिया शोधपीठ के निदेशक प्रोफेसर डी आर साहू ने कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथियों व प्रवक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर प्रतिभा राज (एसोसिएट प्रोफेसर समाजशास्त्र विभाग) ने किया। इसमें उन्होंने आयोजित कार्यक्रम की पृष्ठभूमि एवं आयोजन के संबंध में जानकारी दीं साथ ही मुख्य अतिथियों का परिचय देते हुए दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वक्ता के रूप में रघु ठाकुर (गांधीवादी चिंतक) को आमंत्रित किया गया । उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि लोहिया ने आजादी के बाद एक ऐसे भारत के निर्माण की परिकल्पना की थी जो न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो बल्कि सामाजिक समानता और न्याय पर आधारित हो। जो आज भी व्यावहारिक दृष्टि से बहुत ही प्रासंगिक है । उन्होंने यह भी ध्यानाकर्षित किया कि एक बार जय प्रकाश नारायण ने लोहिया के बारे में कहा था कि वे अपने समय के 100 वर्ष के आगे के बारे में सोचते थे, तथा उनकी सात क्रांतियों का भी जिक्र किया। प्रोफेसर अशोक पंकज ने अपने वक्तव्य में लोहिया के राजनीतिक आदर्शों तथा आर्थिक सिद्धांतों की चर्चा साथ ही साथ भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार, शिक्षा तथा ग्रामीण विकास पर विशेष रूप से ध्यान देने को कहा। वर्तमान समय में भारत में व्याप्त आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए लोहिया के विचार व नीतियां आज भी दिशा निर्देश दे सकती हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी कृति लोहिया के सपनों का भारत में लोहिया जी के विचारों जैसे-आर्थिक असमानता जो एक और 10 से ज्यादा न हो तथा भारत के लिए चौखम्भा राज अर्थात पंचायती राज के महत्व को बताया जिससे कभी भी अधिनायकवाद नही आएगा और उपनिवेशवाद जो आज भी छद्म रूप से विद्यमान है, को दूर करना अति आवश्यक बताया है। सभी वक्ताओं के विचारों को निष्कर्षित करते हुए कार्यशाला के अध्यक्षीय संबोधन में प्रोफेसर जया श्रीवास्तव ने लोहिया के विचारों की प्राप्ति को अति आवश्यक है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती पर राजभवन में प्रतिस्पर्धा का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में मंगलवार को राजभवन में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश के विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं के मध्य साहित्य और संस्कृति पर आधारित प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

आज के आयोजन में भाषण और निबंध प्रतियोगिता शामिल थी, जिसमें प्रतिभागियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, उनके द्वारा देश के एकीकरण हेतु किए गए प्रयासों तथा उनके प्रेरणादायक कार्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। यह कार्यक्रम राज्य की एकता और अखंडता के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता और प्रेरणा का संचार करने में सफल रहा।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) डॉ पंकज एल जानी, विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रतिभागी बच्चे एवं राजभवन के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 5

कैंसर में वरदान साबित होगा लाइपोसोमल वैसिकल्स

लखनऊ विश्वविद्यालय के शोध छात्र आयुष ने बनाई अनोखी दवा

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

- चंद्रयान को हवा-अंतरिक्ष के घर्षण से बचाने को कर चुके हैं कोटिंग

अमृत विचार : माइक्रो पार्टिकल जिसे हम आंखों से नहीं देख सकते, उससे भी छोटे नैनो पार्टिकल तक की खोज दुनिया में हुई है। नैनो से आगे जाकर मैगनेटिक क्वांटम पार्टिकल का निर्माण लखनऊ विश्वविद्यालय के शोध छात्र आयुष शुक्ला ने किया है।

लाइपोसोमल वैसिकल्स नामक उनकी इस खोज का सीधा असर कैंसर के उपचार में पड़ने वाला है। आयुष का दावा है कि उनकी खोज कैंसर के उपचार में 60 प्रतिशत तक कारगर साबित हो रही है। जिसके लिए राजस्थान के पिलानी में उन्हें सम्मानित किया गया है। आयुष शुक्ला लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के फैलोशिप प्राप्त शोध छात्र हैं। इससे पूर्व वह इसरो में भी कार्य कर चुके हैं, जहां वह चंद्रयान अभियान के दौरान चंद्रयान की कोटिंग का कार्य कर चुके हैं। वर्तमान में वह एसजीपीजीआई, लखनऊ में सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च में काम कर रहे हैं। आयुष बताते हैं कि कैंसर के इलाज में कीमोथेरेपी का असर तो होता है, लेकिन शरीर के दूसरे अंग भी प्रभावित होते हैं। लेकिन हमारे शोध में जिस अंग में कैंसर हैं, दवा सिर्फ वहीं पर काम करेगी।

खोजा दुनिया का सबसे छोटा पार्टिकल

आयुष शुक्ला ने 6 नैनो मीटर के क्वांटम डॉट पहली बार बनाया है। इसे मैगनेटिक क्वांटम डाट्स के तौर पर विकसित किया गया है। हल्दी से विकसित करके लाइपोसोमल वैसिकल का निर्माण किया है। यह एक प्रकार से पानी का गाढ़ा रूप जेल जैसा है। जिसमें स्थित माइक्रो छिद्र में क्वाटंम डॉट को भरा जाएगा। इसके बाद इसे आईबी की शक्ल में कैंसर ग्रस्त अंग में प्रवेश करा दिया जाएगा। वह बताते हैं कि आईबी को आप इंजेक्शन समझ सकते हैं। इसके प्रवेश करते ही उक्त अंग की कैंसर कोशिकाएं 60 से 70 फीसद तक नष्ट हो जाती हैं। इस दौरान आयुष ने पूणे की प्रयोगशाला में सर्वप्रथम स्वस्थ चूहों के भीतर कैंसर कोशिकाओं को डाला। करीब 30 दिन बाद उन चूहों पर मैगनेटिक क्वांटम डाट्स युक्त लाइपोसोमल वैसिकल की आईबी दी गई तो वह उन चूहों में मौजूद कैंसर कोशिकाएं 70 फीसद तक नष्ट हो चुकी थी।

मैगनेटिक बेल्ट का करेंगे प्रयोग

आयुष बताते हैं कि आईबी देने से पहले कैंसर ग्रस्त अंग मैगनेटिक बेल्ट से उसे घेर दिया जाएगा। जिससे कैंसर कोशिकाएं लाचार हो जाएंगी, उनका फैलाव बंद हो जाएगा। इसी स्थान पर लाइपोसोमल वैसिकल बीमार कोशिकाओं को घेरकर नष्ट कर देंगे। दावा है कि उनकी दवा का कोई साइड इफेक्ट नहीं है, इससे एंटी आक्सीडेंट और कई अच्छी चीजों में बढ़ोत्तरी होती है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।

सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान में प्रतिभाग करने वाले छात्र व अन्य।

सड़क सुरक्षा के प्रति छात्रों ने किया जागरूक

अमृत विचार,लखनऊ : सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत 17 से 23 जनवरी तक विभिन्न चौराहों और स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम सेवा योजना के विद्यार्थी चला रहे हैं। विश्वविद्यालय से आईटी चौराहा तक छात्रों ने सड़क सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान चलाया और लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग करने के साथ साथ ड्राइविंग के समय मोबाइल का उपयोग बिल्कुल न करें। नशा करके वाहन न चलाएं, ओवर स्पीड में वाहन बिल्कुल न चलाएं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. रमेश कुमार त्रिपाठी व डॉ. अन्विता वर्मा कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना और टीएसआई धनुषधारी, एनएनएस के स्वयंसेवक प्रख्यात दीक्षित नमन, विनीत अमन, सलोनी, अनामिका, ईशा, नीरज आदि उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में छात्रों ने लिया हिस्सा

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के गांधी सभागार व अन्नपूर्णा सभागार में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल व राष्ट्रीय एकता विषय पर 34 राज्य विश्वविश्वविद्यालयों और संस्थानों के विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया। प्रतियोगिता में समूह 6 से भाषण में लखनऊ विश्वविद्यालय की विधि छात्रा उर्वसी सिंह, विश्वविद्यालय के सम्बद्ध कॉलेज की निशा राठौर ने भाग लिया। ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के विधि छात्र अमन कुमार त्रिपाठी ने प्रतिभाग किया। एक पात्रीय नाटक में विशाल राज मिश्रा एमए एजुकेशन, अंकित कुमार यादव, चन्दा शुक्ला लखनऊ विश्वविद्यालय प्रतिभागी रहे। निबंध लेखन में सुमित सिंह लविवि ने भाग लिया। प्रतियोगिता के द्वितीय चक्र का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय में किया गया था। प्रतियोगिता का आयोजन राज्यपाल की प्रेरणा और कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में किया गया।

LOKSATYA PAGE 2

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

लखनऊ, लोकसत्य। राजभवन लखनऊ उत्तर प्रदेश के गांधी सभागार एवं अन्नपूर्णा सभागार में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं राष्ट्रीय एकता विषयक के अन्तर्गत 34 राज्य विश्वविश्वविद्यालयों/ संस्थानों में विजेताओं के मध्य प्रतियोगिता के अंतिम चरण आयोजित किए गए। जिसमें समूह 6 से भाषण प्रतियोगिता में उर्वसी सिंह एलएलबी की लविवि, निशा राठौर बीए कालेज सम्बद्ध लविवि) एवं अमन कुमार त्रिपाठी एलएलएम (ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय) से प्रतिभाग किया। जबकि एक पात्रीय नाटक में विशाल राज मिश्रा एमए एजुकेशन (कालेज सम्बद्ध लविवि), अंकित कुमार यादव, बीए, लविवि एवं चन्दा शुक्ला, डीएलटी,(केजीएमयू) ने प्रतिभाग किया। निबंध लेखन में सुमित सिंह एलएलबी, लविवि ने भाग लिया।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : प्रयोगात्मक परीक्षाएं अब 30 से

लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने बी.एससी पहले, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर(ओल्ड) की प्रयोगात्मक परीक्षा कार्यक्रम में संशोधन कर दिया है। विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी सक्सेना की ओर से मंगलवार को जारी सूचना के अनुसार 30 व 31 जनवरी को होंगी। पहले व पांचवें सेमेस्टर के छूटे हुए, बैक पेपर व एग्जम्प्टेड की प्रयोगात्मक परीक्षा 30 जनवरी और तीसरे सेमेस्टर की यह परीक्षा 31 जनवरी को होगी। विस्तृत सूचना वेबसाइट और विभग के नोटिस बोर्ड पर देख सकते हैं।

पीएचडी के तीन और विषयों की प्रोविजनल मेरिट सूची जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-25 की पीएच.डी प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार के बाद तीन और विषयों की प्रोविजनल मेरिट सूची जारी कर दी है। इसमें डिफेंस स्टडीज, कंप्यूटर साइंस और सांख्यिकी विषय शामिल है। प्रवेश प्रक्रिया के अगले चरण में चयनित अभ्यर्थियों के लिए सीट आवंटन और कट-आफ सूची भी जारी कर दी गई है। अभ्यर्थी अपनी पूर्व में प्राप्त लाग इन आइडी का उपयोग करके बुधवार दोपहर तीन बजे से फीस जमा कर सकते हैं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लोहिया के विचार आज भी प्रासंगिक

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के तहत डॉ.राम मनोहर लोहिया शोधपीठ द्वारा लोहिया के सपनों का भारत विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राधा कमल मुखर्जी सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोहिया के विचारों व आदर्शों तथा उनके सपनों का भारत की अवधारणा को वर्तमान समय में सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में फिर से समझना। लोहिया शोधपीठ के निदेशक प्रो.डी.आर.साहू ने कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथियों व प्रवक्ताओं का स्वागत किया। वक्ता के रूप में रघु ठाकुर, गांधीवादी चिंतक ने कहा, लोहिया ने आजादी के बाद एक ऐसे भारत के निर्माण की परिकल्पना की थी जो न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो बल्कि सामाजिक समानता और न्याय पर आधारित हो, जो आज भी व्यावहारिक दृष्टि से बहुत ही प्रासंगिक है। उन्होंने यह भी ध्यानाकर्षित किया कि एक बार जय प्रकाश नारायण ने लोहिया के बारे में कहा था कि वे अपने समय के 100 वर्ष के आगे के बारे में सोचते थे तथा उनकी सात क्रांतियों का भी जिक्र किया। प्रो.अशोक पंकज ने अपने वक्तव्य में लोहिया के राजनीतिक आदर्शों और आर्थिक सिद्धांतों की चर्चा साथ ही भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार,शिक्षा व ग्रामीण विकास पर विशेष रूप से ध्यान देने को कहा। वर्तमान समय में भारत में व्याप्त आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए लोहिया के विचार व नीतियां आज भी दिशा निर्देश दे सकती हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी कृति लोहिया के सपनों का भारत में लोहिया के विचारों जैसे, आर्थिक असमानता जो एक और 10 से ज्यादा न हो तथा भारत के लिए चौखम्भा राज अर्थात पंचायती राज के महत्व को बताया। जिससे कभी भी अधिनायकवाद नहीं आएगा और उपनिवेशवाद जो आज भी छद्म रूप से विद्यमान है को दूर करना बहुत जरूरी बताया है।

स्वयंसेवकों ने सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत 17 से 23 जनवरी तक विभिन्न चौराहों और स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में लखनऊ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यालय से आईटी चौराहा तक स्वयंसेवकों ने सड़क सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान एनएनएस स्वयंसेवकों ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील किया। साथ ही हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग करने, ड्राइविंग के समय मोबाइल का उपयोग न करने, नशा करके वाहन न चलाने और ओवर स्पीड में वाहन बिल्कुल न चलाने के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ.रमेश कुमार त्रिपाठी,डॉ.अन्विता वर्मा, कार्यक्रम समंवयक एनएनएस और टीएसआई धनुषधारी, एनएनएस के स्वयंसेवक प्रख्यात दीक्षित नमन,विनीत अमन,सलोनी,अनामिका, ईशा और नीरज आदि उपस्थित रहे।